611

MARJ-07

June - Examination 2019

M.A. (Final) Rajasthani Examination

साहित्य शास्त्र अर पाठालोचन

Paper - MARJ-07

Time : 3 Hours] **[Max. Marks :- 80**

निर्देश : औ प्रश्न–पत्र के तीन खण्ड 'अ', 'ब' अर 'स' में बंट्योड़ौ है। खण्ड 'अ' में साव छोटा सवाल, खण्ड 'ब' में छोटा सवाल अर खण्ड 'स' में निबन्धात्मक सवाल दियोड़ा है।

(खण्ड – अ) **$8 \times 2 = 16$**

(साव छोटा सवाल)

निर्देश : इस खण्ड रा सगळा सवालां रा पडूत्तर देवणा जरूरी है। आपरौ पडूत्तर अेक सबद, अेक वाक्य या अधिकतम 30 सबद सूं बेसी नीं हुवणा चाईजै।

1) (i) संस्कृत ग्रंथां में साहित्य सारू कुणसौ सबद बरत्यौ जांवतौ?

(ii) 'शब्दार्थो साहितौ काव्यम्' किणरौ कथन है?

(iii) भारतीय काव्यशास्त्र रौ आदि आचार्य किणनै मान्यौ जावै?

(iv) 'रीति सम्प्रदाय' री थरपणा कुण करी?

(v) 'ध्वनि सिद्धान्त' रा प्रर्वतक कुण हा?

(vi) आथूणा काव्यशास्त्रीय ग्रंथ 'प्रिंसीपल्स ऑफ लिटरेरी क्रिटिसिज्म' अर 'साइंस एण्ड पॉयट्री' कुण लिख्या?

(vii) पाश्चात्य काव्यशास्त्र में 'अनुकरण सिद्धान्त' री थरपणा कुण करी?

(viii) 'पिंगल शिरोमणी' छंदशास्त्रीय ग्रंथ रा रचयिता कुण हा?

(खण्ड – ब) **$4 \times 8 = 32$**

निर्देश : इण खण्ड में सूं किणी चार सवालां रा जवाब 200 सबदां री सींव में लिखौ।

2) साहित्य बाबत भारतीय आचार्यां री दियौड़ी परिभासावां रौ वर्णन करौ।

3) 'वक्रोक्ति सिद्धान्त' माथै टीप लिखौ।

4) सबद सगतियां रौ संक्षिप्त वर्णन करौ।

5) भारतीय अंलकार सम्प्रदायां री परम्परा बाबत आपरी जाणकारी उजागर करौ।

6) कॉलरिज रै कल्पना सिद्धान्त बाबत आपरी जाणकारी उजागर करौ।

7) क्रोच रै 'अभिव्यंजनावाद' सिद्धान्त रौ संक्षिप्त परिचै दैवौ।

8) राजस्थानी रै प्रसिद्ध छंदशास्त्रीय ग्रंथ 'रघुनाथ रूपक' माथै जाणकारी परक टीप लिखौ।

9) टिप्पणी लिखौ – (अ) बड़ौ दूहौ (ब) तूंवेरी दूहौ

(खण्ड – स) $2 \times 16 = 32$

निर्देश : इण खण्ड में सूं किणी दो सवालां रा जवाब देवणा है। सबद सींव 500 सबद है।

10) साहित्य शास्त्र रौ अरथ अर सरूप स्पस्ट करता थकां भारतीय आचार्यां मुजब 'साहित्य' री परिभासावां रौ वर्णन करौ।

11) भारतीय काव्यशास्त्र रा खास–खास सम्प्रदायां बाबत आपरी जाणकारी रौ विस्तृत खुलासौ करौ।

12) पाश्चात्य विद्वान आई.एस. रिचर्ड्स रौ काव्यशास्त्र में योगदान सांगोपांग खुलासै साथै उजागर करौ।

13) राजस्थानी छंदशास्त्र री उत्पत्ति अर विसेसतावां उजागर करतां थकां उणरौ साहित्यिक योगदान बखाणौ।